तीन लाख लोगों के लिए अवसर खोलेगा टेक्सटाइल पार्क

200 करोड़ रुपये मिले अवस्थापना के लिए, एक हजार एकड़ में होगा निर्माण

इसी महीने के अंत में हो सकता है शिलान्यास

लखनऊ। पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल्स एंड अपैरल योजना के तहत लखनऊ-हरदोई में बनने वाले मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए प्रदेश सरकार के बजट में 200 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इस पार्क से न केवल निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि करीब तीन लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इसमें एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। टेक्सटाइल पार्क एवं परिधान क्षेत्र में 10 से 15 हजार करोड़ के निवेश का आकलन किया जा रहा है। एक हजार एकड़ में इसका निर्माण होगा। इसके टोपोग्राफिकल सर्वे को मंजूरी मिल चुकी है। इसकी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड को सौंपी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

- लखनऊ और हरदोई के डीएम के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने टेक्सटाइल पार्क का स्थलीय सर्वेक्षण और जमीन की पैमाइश भी की है। इसकी 903.07 एकड़ जमीन लखनऊ और 259.09 एकड़ हरदोई में है। माल ब्लॉक के अटारी गांव में यह स्थापित किया जा रहा है।
- हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग विभाग के ज्वॉइंट कमिश्नर केपी वर्मा के मुताबिक इससे पहले 20 करोड़ रुपये मिले थे। अब 200 करोड़ अवस्थापना के लिए दिए गए हैं। मास्टर डवलपर के चयन की प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों का कहना है कि एक हजार एकड़ के 60 प्रतिशत हिस्से में उद्योग और 40 प्रतिशत में रेजीडेंशियल, हरियाली व अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। माना जा रहा है कि इसी महीने इसका शिलान्यास हो जाएगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।
- पार्क के सर्वे के लिए शासन स्तर से हरी झंडी मिलने के बाद काम की शुरुआत की गई है। इसके क्रियान्वयन के लिए गठित स्पेशल पर्प वेहिकल (एसपीवी) के लिए तैयार ड्राफ्ट को मंजूरी के लिए भारत सरकार की टेक्सटाइल मिनिस्ट्री भेजा गया था। इसके लिए 10 करोड़ (पेड अप कैपिटल) की व्यवस्था की गई है। इसमें 51 प्रतिशत अंश उत्तर प्रदेश सरकार तथा 49 फीसदी हिस्सा भारत सरकार का होगा।

1200 करोड़ खर्च होने का अनुमान

टेक्सटाइल पार्क के निर्माण में 1200 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। इसे पीपीपी मोड पर विकसित किया जाएगा। मास्टर प्लान, परियोजना अनुमान और बोली दस्तावेज से संबंधित (आरएफक्यू, आरएफपी और विकास समझौते) अंतिम दौर में हैं। मास्टर डवलपर के चयन के लिए मसौदा बोली से संबंधित दस्तावेज तैयार हैं। पार्क के संचालन को लेकर पर्यावरण का खास ध्यान रखा गया है। इसे बुनियादी ढांचे से जोड़ने के लिए चार लेन सड़क का निर्माण भी होगा। बिजली-पानी की आपूर्ति के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाया गया है। यूपीजीआईएस-23 में टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क के लिए कुल 73 निवेश प्रस्ताव आए थे, जिसमें 2483.85 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा था।

युवाओं को मिलेंगे बेहतर मौके

टेक्सटाइल्स के क्षेत्र में रोजगार सृजन का रखा गया लक्ष्य सराहनीय है। प्रदेश में टेक्सटाइल्स के नए हब बनाकर निवेश व रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाएगा। अटल बिहारी बाजपेई पावरलूम विद्युत फ्लैट रेट योजना के तहत हथकरघा एवं पावरलूम बुनकरों को बिजली पर छूट देने से उनकी लागत कम होगी और उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। मेगा टेक्सटाइल पार्क से युवाओं को टेक्सटाइल एवं परिधान उद्योग में बेहतर मौके मिलेंगे।

-यावर अली शाह, वाइस चेयरमैन, आईआईए लखनऊ चैप्टर

कपड़ा उद्योग क्षेत्र में निवेश का मुख्य स्रोत बनेगा

टेक्सटाइल पार्क कपड़ा उद्योग क्षेत्र में निवेश का मुख्य स्रोत बनेगा। इससे प्रदेश में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। ऐसी परियोजनाओं से क्षेत्र में जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होता है। यह कपड़ा उद्योग के लिए विशेष तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें कताई, बुनाई, रंगाई, छपाई, सिलाई से लेकर कई प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। टेक्सटाइल पार्क बनने से उत्पादन की समयसीमा भी कम होगी। यह दिल्ली-एनसीआर, जयपुर और बंगलूरू के संयुक्त उत्पादन मात्रा को पार कर जाएगा।

-मयंक जैन, सीआईआई